भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1552 का उत्तर

कटनी से चोपन रेल लाइन का दोहरीकरण कार्य

1552. डॉ. राजेश मिश्रा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा नई रेल लाइन परियोजनाओं के माध्यम से आकांक्षी जिलों में कनेक्टिविटी में सुधार सुनिश्चित करने के लिए क्या विशिष्ट कदम उठाए गए हैं; और

(ख) कटनी से चोपन रेल लाइन के दोहरीकरण कार्य में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और इसके कब तक पूरा होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

S.K

कटनी से चोपन रेल लाइन का दोहरीकरण कार्य के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में डॉ. राजेश मिश्रा के अतारांकित प्रश्न सं. 1552 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि भारतीय रेल की परियोजनाएं राज्य सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को अकांक्षी जिलों से संपर्कता सहित लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेल की अपनी परिचालनिक आवश्यकता, सामाजिक-आर्थिक विचारों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 7.44 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 44,488 किलोमीटर की कुल लंबाई की कुल 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएँ (187 नई लाइनें, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण), योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई कमीशन की गई है और मार्च 2024 तक 2.92 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इनका सार निम्नानुसार है:-

S.K

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई एनएल/जीसी/डीएल (किमी में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (किमी में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ में)
नई लाइनें	187	20199	2855	160022
आमान परिवर्तन	40	4719	2972	18706
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	261	19570	6218	113742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

भारतीय रेल में नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन की गई नई पटरियां	नई पटरियों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रति दिन
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी. प्रति दिन (2 गुना से अधिक)

कटनी-सिंगरौली (257 किलोमीटर) के दोहरीकरण को स्वीकृत किया गया है और कटनी से ब्योहारी और जोबा से सिंगरौली तक 218 किलोमीटर लंबे खंडों को कमीशन कर दिया गया है। मार्च 2024 तक इस परियोजना पर लगभग 2,407 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। ब्योहारी से जोबा खंड के बीच 39 किलोमीटर का शेष भाग संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में आता है, जिसके लिए संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र को बायपास करते हुए अंतरित संरेखण पर दोहरी लाइन (लगभग 46 किलोमीटर) बनाने का निर्णय लिया गया है।

S.K

ओबरा डैम-पपराकुंड खंड (6 किमी) को छोड़कर सिंगरौली-चोपन पहले से ही दोहरी लाइन खंड है। ओबरा डैम-पपराकुंड खंड के दोहरीकरण कार्य को स्वीकृत कर दिया गया है।

******

S.K